आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–12 सितम्बर 2026 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित पांचवां गोमती पुस्तक महोत्सव क सुभारम्भ कइलें। येह मौका पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बोधित करत मुख्यमंत्री नौजवानन से कहलें कि ऊ आपन जरूरत के हिसाबि से किताबि खरीदले अउर पढ़ले क आदत विकसित करें। मुख्यमंत्री नौजवानन से आपन बुक बैंक बनावे क अपीलि करत कहलें कि खाली समय में किताबि पढ़े क आदत जिनगि के नया दिसा दे सकेला। लखनऊ के साहित्य क पुरान केन्द्र बतावत श्री योगी प्रदेस के ओह जगहिन क चरचा कइलें जहवां के कालजयी रचना पूरा दुनिया क धियान खिचले हवे।

अनेक ऐसे साहित्यकार लखनऊ ने और लखनऊ के आसपास के क्षेत्र ने दिए हैं, जिन्होंने देश को अपनी कालजयी रचना के माध्यम से आकर्षित किया। इसी लखनऊ से 70 किलोमीटर की दूरी में नैमिषारण्य है। नैमिषारण्य में भारतीय ज्ञान की इस परंपरा ने चिंतन को आगे बढ़ाने का काम किया था। काशी के विश्वविद्यालय जगविख्यात रहे हैं। प्रयागराज की धरती–वहां के कुंभ की परंपरा केवल एक आयोजन–महोत्सव नहीं है, भारत की ज्ञान परंपरा की चिंतन की वह स्थली रही है, जहां पर देश भर से ऋषि–मुनि जुड़ते थे। इसी उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में शुकतीर्थ में श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा का वाचन भी होता है।

मुख्यमंत्री लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में लागल पुस्तक प्रदर्शनी के देखलें अउर ओइजा मौजूद लइकन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क किताबि एक्जाम वारियर्सों बटलें।

****

प्रदेस भर में आजु राष्ट्रीय लोक अदालत क आयोजन कइल गइल। येह दौरान सुलह समझौता के जरिया से कईगो मामिला क समाधान सुनिस्चित कइल गइल। येह में यातायात चालान, पारिवारिक विबाद, घरेलू हिंसा, मोटर दुर्घटना, ऋण वसूली जइसन मामिला सामिल रहले। गाजीपुर में आयोजित लोक अदालत में ढ़ेर संख्या में लोग सामिल भइलें। उहां के लोक अदालत क नोडल अधिकारी शक्ति सिंह बतउलें कि जियादातर लोगिन के मामिलन के निस्तारित कइल गइल। कानपुर देहात में राष्ट्रीय लोक अदालत के जरिया से दुई लाख साठ हजार मामिलन क निस्तारण कइल गइल। अयोध्या में आयोजित लोक अदालत में श्रम वादन क खासतौर से निस्तारण कइल गइल। येह दौरान पीड़ित पक्ष के लोगिन के अड़तीस लाख उन्यासी हजार रूपिया के धनरासि क भुगतान करावल गइल। गोरखपुर, अमरोहा अउर फर्रूखाबादों में लोक अदालत के जरिया से ढेरि संख्या में वाद निस्तारित कइल गइल।

****

भारत ह्यूमन पैपिलोमा वायरस– एचपीवी टीकाकरण के अस्सी लाख टीका क खास आंकड़ा पार कई लिहले हवे। केन्द्रीय स्वास्थ्य अउर परिवार कल्याण मंत्रालय के हिसाबि से गुजरात, मध्य प्रदेश अउर मिजोरम के अलावा उत्तर प्रदेसो आपन निरधारित लक्ष्य का सतप्रतिसत कवरेज पा लिहले हवे। स्वास्थ्य अउर परिवार कल्याण मंत्रालय बतउले कि सबसे जियादे बाइस लाख लइकिनिन के टीका लागवल जा चुकल हौ। ऐह अभियान क सुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फरौरी दुई हजार छब्बीस में कइले रहलें। अभियान में चउदह बरिस के उमिर वाला लइकिनिन के माता पिता के मंजूरी से सरकारी स्वास्थ्य सुविधा में स्वैच्छिक अउर निःसुल्क एकल खुराक एचपीवी टीकाकरण दिहल जाला। ई टीका एचपीवी संक्रमण अउर एचपीवी से जुड़ल कैंसर से सुरक्षा दिहले क दिसा में एगो बड़हन कदम बा।

****

प्रदेस के करीब सज्जों पूरबी जिला में छिटपुट बादर छवले हौ अउर कुछु जगहिनि पर रूकि रूकि गरज चमक के साथे बरखा क सिलसिला जारी बा। मौसम विभाग के मोताबिक बरखा क वायु मंडलीय परिस्थिति बनल बा जेकरे नाते अगिला चार दिन ले गोरखपुर अउर एकरे लग्गे के जिलन में कुछु जगहिन पर हल्लुक आ कुछु जगहिन पर मध्यम बरखा भइले क पूर्वानुमान बा। ओहर लगतारे बरखा भइले आ बैराजन से पानी छोडइले के नाते राज्य क दुई दरजन से बेसी जिला अबहिनो बाढ़ के चपेटा में हवें। बाढ़ प्रभावित जिलन में जिला प्रसासन के ओरि से लगतारे निगरानी कइल जा रहल हौ आ राहत अउर बचाव कार जारी बा।

राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित आश्रय मुहैया कराया जा रहा है। बाढ़ के दौरान बीमारियों के फैलने के खतरे को देखते हुए, स्वास्थ्य विभाग भी पूरी तरह से सक्रिय है। प्रभावित इलाकों में डॉक्टरों की टीमें तैनात की गई हैं। उधर प्रदेश के कई जिलों में रुक–रुक कर बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है।–सुशील चन्द्र तवारी आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

****

प्रदेस सरकार परिषदीय विद्यालयन में लइकन से जुड़ल सूचना क निगरानी, प्रबंधन अउर सैक्षिक व्यवस्था के प्रभावी संचालन बदे छौ करोड़ पचपन लाख रूपिया जारी कइले हवे। येह धनरासि से यू–डायस प्लस अउर चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम क प्रभावी संचालन सुनिश्चित कइल जाई।

****